

ॐ

~~~~~

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- हिन्दी

दिनांक-05-01-2021 प्रेमचंद के फटे जूते

॥ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ॥

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रश्नोत्तर

प्रश्न4:

पाठ में एक जगह पर लेखक सोचता है कि 'फोटो खिंचवाने

की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि 'नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी।' आपके अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक के विचार बदलने की क्या वजहें हो सकती हैं?

उत्तर:

पहले लेखक प्रेमचंद के साधारण व्यक्तित्व को परिभाषित करना चाहते हैं कि खास समय में ये इतने साधारण हैं तो साधारण मौकों पर ये इससे भी अधिक

साधारण होते होंगे। परन्तु फिर बाद में लेखक को ऐसा लगता है कि प्रेमचंद का व्यक्तित्व दिखावे की दुनिया से बिल्कुल अलग है क्योंकि वे जैसे भीतर हैं वैसे ही बाहर भी हैं।

*प्रश्न5:*

आपने यह व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन सी बातें आकर्षित करती हैं?

*उत्तर:*

लेखक एक स्पष्ट वक्ता है। यहाँ बात को व्यंग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताओं को व्यक्त करने के लिए जिन उदाहरणों का प्रयोग किया गया है, वे व्यंग को ओर भी आकर्षक बनाते हैं। कड़वी से कड़वी बातों को अत्यंत सरलता से व्यक्त किया है। यहाँ अप्रत्यक्ष रूप से समाज के दोषों पर व्यंग किया गया है।

*प्रश्न6:*

पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

*उत्तर:*

पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग मार्ग की बाधा के रूप में किया गया है। प्रेमचंद ने अपनी लेखनी के द्वारा समाज की बुराईयों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया। ऐसा करने के लिए उन्हें बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा।

धन्यवाद

कुमारी पिकी 'कुसुम' 